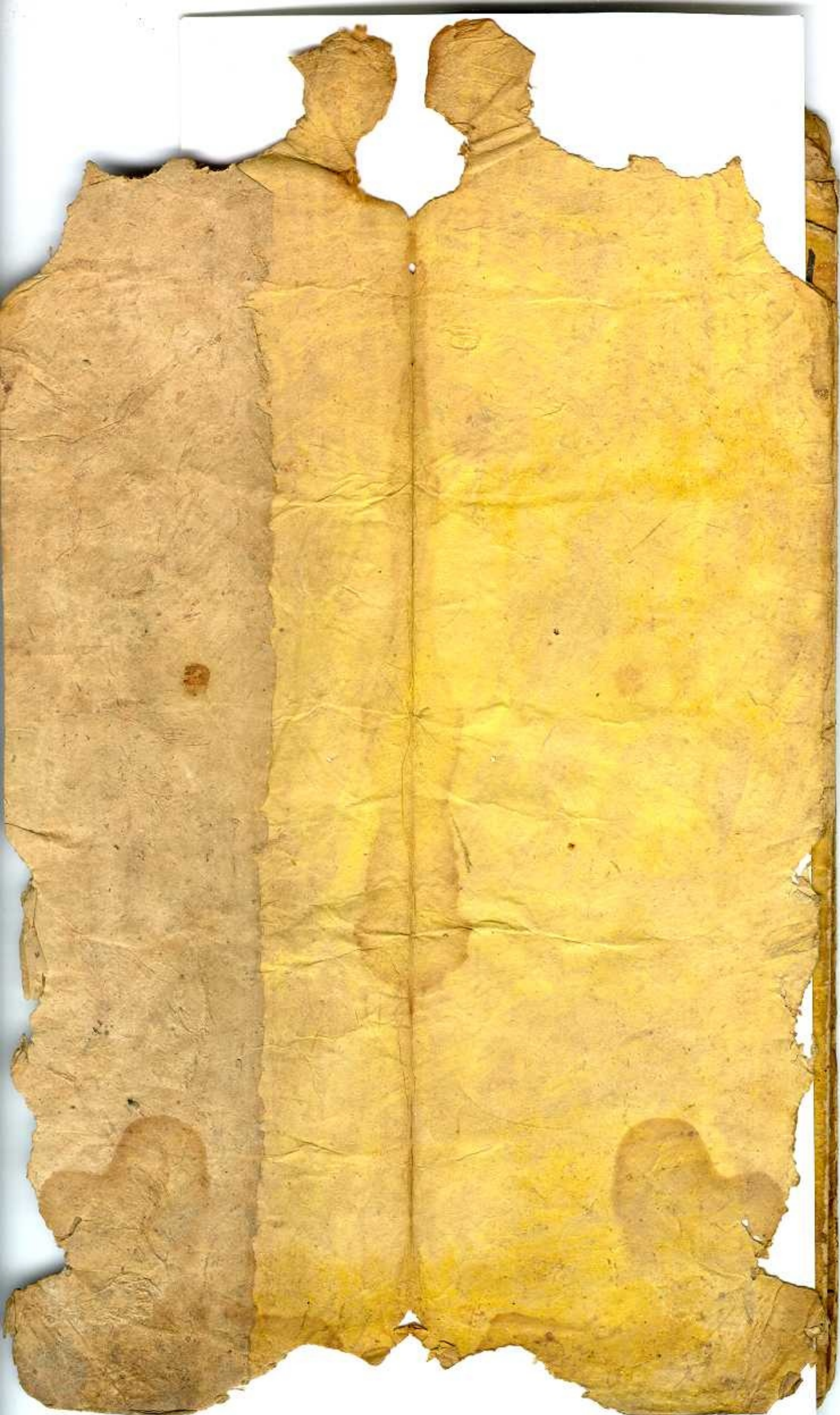


286
Aboljška
vidli →

2694 I



दिव कथा विधि॥

नमः श्रीवज्रसत्त्वा
 ॥ कृपायुष्माकाजन
 पुत्रसुतल दयुत्री
 धनलि सगान ॥
 मा मकयुजा ॥ कृष्ण
 पूजा ॥ वसस्वस्तिवा
 यावकयादि वेग ॥
 धनलि दिवेग कक
 गमन आय यलक
 किरवा वाव गुववा
 दावका इकय ॥
 अथ पूर्ववाधिसत्त्वा
 चर्यानीववहि रुम
 वनीमातापिकवाय
 दिगमर्या ॥ सफयवृष
 स ॥ सफ निष स ॥ य
 अनाविधावलाय
 काय्यपलाय स ॥ अ
 सग ॥ कथ दिवेग क
 प्रमगुपिना अमक

नामधाय दिवेग
 कृपासन उयनी स्ति
 ना ॥ स्वस्ति स कृपाकय ॥
 उं वसुधनी पयया
 स्वस्ति ॥ इवालय
 कपाक ॥ कय ॥ कास
 खलवा कय ॥ धन
 ऊजमानन दिवेग
 कथवकन केकय ॥
 आचार्यन वज्र यक
 थस वाकयाय ॥
 उं नमारुगवक इन्नि
 तिष विष्णुधन वाजा
 य कथागनायादिक
 सम्यक् वद्वाय कथथा
 उं विष्णुधन ॥ सर्वपाप
 विष्णुधन ॥ पुत्रवि
 पुत्रसर्वक माववन
 विष्णुधन स्वध ॥ का
 वाकय ॥ ॥ धन

खनहाय ॥ अकष
ल ॥ ॐ विषसिनन
म ॥ स्वाहा ॥ ॐ विरि
न ॥ ॐ विष्णुवा
य ॥ ॐ ककु कला
य ॥ ॐ कनकमून
य ॥ ॐ कान्यपाय ॥
ॐ ककमूनयनम ॥
यक ॥ ऊऊ ॥ खान ॥ न
वेय ॥ ससा ॥ धूह ॥ मक
नायनहाव ॥ लाय
काय ॥ ॐ ॥ सबू
पुलुवीकाक ॥ सर्व
कलनायक ॥ समक
ॐ सावरी ॥ जक सि
नमसदा ॥ ॥ थ
न ॥ ॐ ॥ नन ॥ ये
यापविसान ॥ कनक
पक ॥ नय ॥ वाक ॥

ॐ स्वरावधु द्वा सर्व
मोनी ॥ स्वरावधु द्वा
ह ॥ अकासक ॥ सर्व
यवनादिकि ॥ रुगत
ना ॥ नवनानी ॥ कव
रु ॥ दवानागा ॥ सुनाय
का ॥ गभ ॥ वो ॥ महां
म ॥ रुगाय ॥ नापिसा
वायो ॥ सर्वनागय
जिना ॥ वृद्धानी ॥ गु
कानी ॥ अरु ॥ वृद्ध
सावि ॥ वृद्ध ॥ कहां
सर्व ॥ इ ॥ निसु ॥ द्वा
सखाना ॥ वा ॥ पि ॥ ना
॥ ॐ ॥ अना ॥ न्या ॥ न
सर्व ॥ म ॥ अ ॥ न
व ॥ म ॥ य ॥ व ॥ स ॥ न
ना ॥ ॐ ॥ व ॥ न ॥ व ॥ श
सर्व ॥ वि ॥ न ॥ व ॥ ज ॥ स ॥ न ॥ स
हा ॥ क ॥ न ॥ स ॥ य ॥ ॥

गामाशा मरु ममाना
यनवेमपूजा थिया
वरुयवेम ॥ ॥
उतमारुगवरुवेना
वन ॥ ॥ लेखनय
ऊऊमानस्य अमूकदिव
गनामध्याय अर्यधमा
क्षरुवागीश्वराय
पादाद्यैयकीकृत्वा
हा ॥ स्वांयाय आर्य
वेना ॥ अ व अ म
मा पा ना ॥ ॥ अरु
ऊऊ स्वां पंवा मरु
इइ नेवय ससा ध
मरु ॥ लायमा नाउ ॥
विधुतसर्वसंकलरा
वाहावविवर्जित ॥ अ
कसिंदितमस्यामिषु
वैयकिहितिमैले ॥
धमेवकुयवकुके

क्षरुकीऊगत्सर्वेना
धयत्सर्वेइमैनि ॥
नायनहाव ॥ ॥
पूजिलीकाममान ॥
यनयपिता पिता
त्वपिता कृष्णसनया
य ॥ ॥ अय ॥ यथ
कुरुगनायापूर्वग
मध्यस्वयविपालिका
दक्षिणारिमूर्खपिषु
पित्वा विपस्विनाद
वनाया निरिनाविस्व
उरुधमा क के कृत्वा
सनायादवनायाम
हवला कनकाकस्य
दवलोधीमलास्याप
सवपसनायाकसि
रुसवमहाजिद ॥ अ
येना नमकवयमूषा
नीमिदमासनसमा

छिता ऊऊमानस्य
पयिता पिता स्वपि
ना यथा नाम न नदि
वैगक कृष्ण सन उय
किष्णम् ॥ ॥ कृष्ण
य ष्वात्रयक मूमात्र
नय ॥ ॥ अत आ
चार्यन पात्र कृतानि
काय जायितु कासी ॥
ऊऊमानन लेख हाय
क ॥ अथ X पूर्व नाभि
सत्त्व यो यात्र वहि
सफ पृथक् ४ सफ नि
य ४ यथा विधात्र
लार्थ काव्यप गुरुय ४
माता पिता पूर्व गमय ४
मूमात्र पिता वल्ग
र्थ उक्त कृष्ण सति
ला ४ सद्य नासेव नास
दधि ४ समध ४ सखलु ४

सर्वाय कवलसहिना
य सकृत् कार्य कलुली
यच्छामि पयिता
पिता स्वपिता यथा
मदी वैगक पिलु स्वध ॥
पिलु कश्च ॥ ॥
लेख ॥ हिलाद कपि
साध स्वध ॥ ३३ ॥
उक्त कति २ प्राचनी २
छि प्राच निश्चय किह
ककय कप्रिय स्वध ॥
पिनाम ॥ सकिलाय
सद्वत् सद्वि समध
सखलु सर्वाय कवल
नसहिनाय स्वध ॥
उक्त २ महापुत्र
अपविमि कपुत्र ह
नसहात्राय स्वध ॥
लेख ॥ ॥ ना ॥
उक्त विस्वापाय

2694 I

महावज्राहव मत्स्य
मानसहानपात्रमिना
पूजा ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
महेश्वरमहाहव
अमृतनिका न स्वध ॥
लख ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यतिगृहका ॥ ॥ ॥
वक्त ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नादिवत्रपात्रमिना
पूजा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सर्वोपायवद्वालीका
लयकापवीकायनी
लया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सर्ववित्तवैश्वदेवमिना
धनिकलपकनक
दतिपूषावमिनापू
जा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वोपायनवय दानपा
वमिना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ सर्वोपायवित्तधनी
वृषदाडिम उदीव
नहादिरुलपात्रमि
ना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ सर्वो
पायवित्तधनीधूपा
पात्रमिपूजा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ सर्वमिच्छवित्तधनी
दीपपात्र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
जाकृत ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सर्वोपायवित्तधनी
नाजाकृतपूजा मद्य
समूह ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
व्याकृति ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नमृतमहामृतयस्त्रा
हा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सर्ववैश्वदेवमिना
स्वधननाजाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
कषादिवैश्वदेवममूक
नामधाय सुखाव
तिलाकधुसियाफ

मस्तु ४॥ ॥ धन
विक्रय कृष्णसु ३॥
यथातथागता ४॥
जायिषु ॥ अय ४५
वैदायि ४५ नमस्तु
रा ४५ यथासिक्तलः
जाता ४५ अयथायचता
नदा ४५ आत्मगंहावि
भूपाच ४५ काकाका
कुलमम ४५ रुमोदक
नरुपाय ४५ कृष्णका
यीयवागति ४५ सीका
वर्त ४५ नाधुनाय ४५ यमा
वाजा मुरु ४५ काः
कादिक पिपु ४५ स्वाना
दिस्वान पीपु ४५ विक
लपिपु ४५ यकि ४५ का
॥ जायिषु कय ॥ ॥
पजा ३५ ॥ जिनायक
इ ४५ पचा ४५ ना ४५

मय नवय ४५ ससा
मरु ४५ मरु ३५ ॥
कृष्णानस्तु महाया
वा ४५ कृष्णाया वरुवनी
नदी ४५ कृष्णाया मध
सर्वध ४५ निवृद्धयल
मामिह ॥ नीलया
किंय कयानी ४५
पुनदवा सुवानया
उनीषु ४५ रुवकाका
न ४५ निवृद्धयलमा
मह ॥ ॥ यथादी
यमान अन्नसं कला
सिद्धी वस्तु ॥ ॥
धन वजा रिष कवि
य ॥ ४५ या कत ४५ स
वस्तवावा अलुजा
वा ४५ जवायजावा
संल्य कजावा ४५ य
पाइका वा ४५ वृषीना

वा. अ. व. धी. ना. वा. वा.
गीता. वा. अ. सी. गीता.
वा. ने. व. सी. गीता. वा.
ना. सी. गीता. वा. स.
वे. क. सू. र. वा. व. र्था. म.
नू. ग. क. नु. स्व. धा. ॥
॥ ॥ ध. न. ऊ. ऊ. मान.
न. दि. व. ग. क. य. ऊ. च.
क. ॥ द. यु. लि. वा. लि.
त्रि. य. य. त्रि. वा. न. य.
जा. स्वा. न. क. न. गु.
य. पू. जा. ॥ क. मा. प. न.
स. र. वा. न. क. य. आ. मी.
वे. ॥ ॥ ध. न.
लि. म. क. क. न. ॥ उ. न.
म. रु. ग. व. क. न. त्ने. क.
कु. वा. जा. य. क. थ. ग.
का. या. रु. क. स. म्भ. क.
वृ. धा. य. ॥ क. य. धा. ॥

२ म. हा. न. त्ने. २
न. त्ने. मा. ला. वि. धा.
न. कु. पि. ति. मा. म्भ.
वि. ना. सी. य. स. ग. ति.
मा. म्भ. उ. त्ने. य. ॥
थ. न. दि. व. ग. क. वि.
स. ऊ. न. या. ठा. व.
वा. च. क. न. क्का. य. ॥
वे. क. वा. हा. न. य. ॥
प. धि. म. स. अ. मि. क.
रु. या. रु. व. न. वा. य.
च. क. ॥
थ. न. आ. ली. नो. द. ॥
द. यु. स. म. च. का. य. ॥
स. म. य. ग. ल. च. क.
नि. धा. च. क. मा. व. रु.
वा. ॥ ॥ ॥ ॥
रु. उ. म. रु. उ. ग. ती. स.
दा. ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो

गोप्य मय

नमो गौरी नमो

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय

गोप्य मय